

खाते में आया सरकारी पैसा, खर्च कर दिए 25 लाख रुपए, अब हवालात पहुंचा युवक

पशु चिकित्सा विभाग के गलती से युवक के खाते में पहुंचा पैसा

कवर्धा/नवप्रदेश। कवर्धा में दिनांक 28.11.2022 को प्रार्थी मनोज राठिया सहायक ग्रेड-2 उप संचालक पशु चिकित्सा सेवायें कवर्धा, जिला कबीरधाम द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया कि राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत ग्राम झलमला तथा मरका में पशु औषधालय भवन के निर्माण हेतु राशि 12.70 लाख एवं 12.70 लाख कुल रकम 25.40 लाख रुपये को कार्यपालन अभियंता

लोक निर्माण विभाग संभाग कवर्धा के बैंक खाता में 932020110000160 में स्थानांतरण किये जाने की स्वीकृति प्रदान किये जाने से स्वीकृत राशि को लोक निर्माण विभाग के बैंक खाता में स्थानांतरण माह जून में किया गया। तदुपश्चात् माह सितम्बर में लोक निर्माण विभाग द्वारा उक्त राशि विभाग के बैंक खाता में प्राप्त नहीं होने के संबंध में पत्राचार उप संचालक पशु चिकित्सा सेवायें कवर्धा, जिला कबीरधाम में प्राप्त होने पर बैंक से उक्त के संबंध में जानकारी प्राप्त किया गया। जिसमें क्रमांक 931010110000160 धारक



रोहित सिंह पिता नागराज सिंह मकान नंबर 139 दादर रोड चरोदा दुर्ग में खाते में दिनांक 23.06.2022 को राशि अंतरित होना अवगत कराये जाने पर बैंक द्वारा दिये गये खाता धारक के मोबाईल नंबर से संपर्क स्थापित करने पर गोलमोल जवाब दिया

गया तथा खाता धारक द्वारा राशि वापस करने का इच्छुक नहीं होने पर खाता धारक रोहित सिंह पिता नागराज सिंह के विरुद्ध थाना कवर्धा में अपराध क्रमांक 892/2022 धारा 420 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये

पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेश सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमति मनीषा ठाकुर रावटे के द्वारा उप पुलिस अधीक्षक संजय ध्रुव के निदेशन में थाना प्रभारी कवर्धा को तत्काल टीम गठित कर आरोपी की पतासाजी कर गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया।

विवेचना के दौरान खाता क्रमांक 931010110000160 के धारक रोहित सिंह पिता नागराज सिंह मकान नंबर 139 दादर रोड चरोदा दुर्ग को तलब कर पुछताछ करने पर इसके बैंक ऑफ इण्डिया में इसके नाम से जनधन योजना अंतर्गत खाता क्रमांक

9310101100000160 संचालित है। आरोपी रोहित सिंह पिता नागराज सिंह निवासी बाम्बे आवास 139 दादर रोड चरौदा, थाना चरौदा जिला दुर्ग के पेश करने पर बैंक ऑफ इण्डिया का पासबुक, बीमा पॉलिसी का बॉण्ड पेपर, जेवर एवं मोबाईल फोन एवं रसीद एवं नगदी रकम 10,700 रुपये को जप्त किया जाकर आरोपी को न्यायिक रिमाण्ड में भेजा गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कवर्धा निरीक्षक एम.बी. पटेल एवं सहायक उप निरीक्षक चन्द्रभूषण सिंह, प्रधान आरक्षक वसीम अली एवं थाना स्टॉफ का सराहनीय योगदान रहा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उतई में हुआ 7 पुरुष हितग्राहियों की नसबंदी

दुर्ग/नवप्रदेश। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवम् स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग डॉ जे पी मेश्राम के आदेशानुसार, डी एच ओ डॉ एस के मेश्राम एवम् डॉ देवेन्द्र किशोर बेलचंदन खंड चिकित्सा अधिकारी निकुम के निर्देशानुसार तथा डॉ पी एल भगत प्रभारी चिकित्सा अधिकारी उतई, बी एस रामटेके खंड विस्तार प्रशिक्षण अधिकारी के मार्गदर्शन में 3 दिसंबर दिन शनिवार को सीएचसी उतई में 7 पुरुष हितग्राहियों का एन एस वी टी आपरेशन सर्जन डॉ ए के सान्याल द्वारा किया गया। सहयोगी डॉ एन एल बंजारे, डॉ अंशुमन साहू, आरएमए जयश्री नागरे, लैब टेक्नीशियन त्रु उईके, विप्लव हलधर, वर्षा साक्पा, नर्सिंग सिस्टर सुश्री मीता दास, जितेश्वरी, कविता चंद्राकर, त्रु साहू, प्रेरणा चंद्रवंशी, झरना, गजेन्द्र गंधर्व , आदित्य पटेल, लाम्भु राम साहू, दिनेश पाटिल, मनीष देशलहरा, चित्रसेन चंद्राकर, अरुण कोसरे ह्रद्धथ, संदीप ठाकुर ओटी अटेंडेंट एवम् समस्त स्टाफ का योगदान रहा।

शहर के चार स्थानों पर शहरवासियों को मिलेगी स्वास्थ्य केंद्र की सुविधा

संसदीय सचिव के प्रयास से मिली एक करोड़ 48 लाख रुपए की स्वीकृति

महासमुंद/नवप्रदेश। महासमुंद शहर के लोगों को नए शहरी स्वास्थ्य केंद्र की सुविधा मिलने वाली है। महासमुंद शहर में चार स्थानों पर अर्बन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का निर्माण कराया जाएगा। संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर की प्रयास से अर्बन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर निर्माण के लिए एक करोड़ 48 लाख रुपए की स्वीकृति मिली है। संसदीय सचिव व विधायक श्री चंद्राकर ने जानकारी देते हुए बताया कि महासमुंद शहर के मोहारीभाउ, श्रीराम कॉलोनी कुम्हारभागा, पिटियाझर व गुडरुपारा में अर्बन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का निर्माण होगा। प्रत्येक अर्बन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के लिए 37-37

लाख रुपए की स्वीकृति मिली है। उक्त राशि में से 25 लाख रुपए की राशि इंफ्रस्ट्रक्चर व 12 लाख रुपए की राशि दवाइयों में खर्च की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस सेंटर में गरीब और निचली बस्ती के लोगों को मोहल्ले में ही स्वास्थ्य सुविधाएं और दवाइयां मुहैया कराई जाएगी।



संसदीय सचिव श्री चंद्राकर का नगरपालिका अध्यक्ष राशि महिलांग, उपाध्यक्ष कृष्णा चंद्राकर, पाषंद अमन चंद्राकर, बबलु हरपाल, अनिता विजय साव, निखिलकांत साहू, राजेश नेताम, प्रीति बादल मकड़, उर्मिला साहू, पवन पटेल, सरला गोलू मदनकार, रिकू चंद्राकर, जगत महानंद, कुमारी देवारा, राजू चंद्राकर, डमरूधर

मांडवी, शोभा यादव, कमला बरिहा, सुनील चंद्राकर, जावेद चौहान, गुरमीत चावला, योजना सिंग, अनवर हुसैन आदि ने आभार जताया है।

फिजियोथेरेपी भवन की मिली सौगत

जिला अस्पताल सह मेडिकल कालेज में 25 लाख रुपए की लागत से फिजियोथेरेपी भवन का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए निर्माणों की मांग पर संसदीय सचिव श्री चंद्राकर ने प्रदेश सरकार का ध्यानकर्षित कराया। बाद इसके फिजियोथेरेपी भवन निर्माण के लिए 25 लाख की स्वीकृति मिली है।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी के तहत मजदूर हो रहे लाभांवित



भटगाव/नवप्रदेश। ग्राम पंचायत चारपाली में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी के तहत विभिन्न प्रकार के कार्य प्रारंभ हुए। जिससे रोजगार रोजगार पा कर के ग्रामीण क्षेत्र के लोग आर्थिक रूप से समृद्ध हो रहे हैं ग्राम पंचायत चारपाली तथा आश्रित ग्रामों में जुनवानी डबरी निर्माण तथा भूमि सुधार जैसे कार्य महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना के तहत

चल रहा है जहां चार पाली ग्राम में भूमि सुधार कार्य 28/11/2022 से 3/12 /2022 तक जिसमें 19 लोग कार्य कर रहे थे इसी प्रकार जुनवानी तलाब निर्माण का कार्य चल रहा है था जिसमें तुलाराम बारिया ने बताया 12 लोग कार्य कर रहे हैं इस प्रकार ग्रामीण क्षेत्र के लोग शासन की योजना का लाभ उठा रहे हैं।

आरक्षण विधेयक विस में पारित होने पर कांग्रेस ने जताया आभार

खैरागढ़/नवप्रदेश। ओबीसी महासभा ने केसीजी जिला मुख्यालय खैरागढ़ में कार्यक्रम आभार कार्यक्रम आयोजित करके मुख्यमंत्री भूपेश को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में संभाग अध्यक्ष विप्लव साहू, जिला संरक्षक एस एल बंछोर, महासचिव एडवोकेट एस आर वर्मा, उपाध्यक्ष नीलेश यादव,



भुनेश्वर वर्मा, संत निपाद, मधुमुदन साहू, खोमलाल धुवें, रेखदास हिरवानी, उत्तम बागड़े,

कोमल वर्मा, गोलू दास साहू, अनूप देवांगन, सुरेश साहू मौजूद रहे। आयोजित कार्यक्रम में

विप्लव साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को धन्यवाद और छत्तीसगढ़ की जनता को बधाई। छत्तीसगढ़ विधानसभा में पारित प्रस्ताव राज्य के अनुसूचित जनजाति अन्य पिछड़ा वर्ग अनुसूचित जाति के लिए यह आवश्यक, सामाजिक न्याय की दिशा में शुरुवात है तथा आर्थिक रूप से

कमजोर सामान्य वर्ग के भाइयों को बधाई। ओबीसी महासभा के छुईखदान ब्लॉक अध्यक्ष नंदबाबा वर्मा, गंडई प्रभारी अशोक पाल, बीरेंद्र निर्मलकर, भोला साहू, भुवन साहू, उषेंद्र रजक, खेमराज रजक, डॉ सुरेंद्र यादव आदि साथियों ने ओबीसी और सभी समाज को शुभकामनाएं दी है।

विश्व का प्रत्येक जीव दुःखी है : गोपेश्वरी

गिलाई/नवाप्रदेश।गिलाई के राधिका नगर में आयोजित प्रवचन के प्रथम दिन गोपेश्वरी देवी ने कहा कि इस कलिकाल में आज विश्व का प्रत्येक जीव दुखी है अर्थात हैं तीन ताप दैहिक दैहिक नैतिक ताप से वशित है। काम क्रोध लोभ मोह आदि विकारों से पीड़ित है और इन दुखों से छुटकारा पाने के लिए अनेकों उपाय करते है। तैकिन सुख के स्थान पर दुख ही मिलता है।

दिव्यांगजनों के चेहरे में झलकी खुशियां, कहा घर से दूर भी एक अपना घर है

टीवी में सतसंग और प्रवचन सुनकर अपने परिवारजनों की खुशियों के लिए भगवान से करते हैं कामना

कवर्धा/नवप्रदेश।

वृद्ध दिव्यांगजनों के चेहरे में आज उस समय गुलाबी खुशियां देखने को मिली, जब उन्हें प्रेम के प्रतिक गुलाब के पुष्प और टंड से बचने के लिए शॉल भेंट किया गया। मौका था अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस का। आयोजन हुआ कलेक्टरेट परिसर में। कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे ने आज सुबह जिले के 5 दिव्यांगजों को शॉल और गुलाब के पुष्प भेंट कर सम्मानित किया। दिव्यांगजों को उनके दिव्यांगता के आधार पर सहायक उपकरण जैसे व्हील चेयर, ईयर मशीन, सहित अन्य उपकरण भी भेंट किया गया। कलेक्टर श्री महोबे ने सभी दिव्यांगजनों का हाल-चाल भी जाना उन्हें वार्तालाप करने के लिए पूरा समय भी दिए। कलेक्टर ने पूरे एक घंटे दिव्यांगजों के बीच अपना समय गुजारे। दिव्यांगजनों ने



विकासखण्ड स्तर पर शीघ्र होगा दिव्यांग शिविर का आयोजन

कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे ने अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर कहा कि जिले के सभी विकासखण्ड पंडरिया, कवर्धा, बोडला, और सहसपुर लोहारा में शीघ्र ही दिव्यांगजनों के लिए शिविर का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर ने विकासखण्ड स्तरीय शिविर के लिए समाज कल्याण विभाग के अधिकारी और सीएमएचओ को शिविर की तैयारी के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

कलेक्टर की सादगी और विनम्र व्यवहार से बेहद प्रभावित भी हुए।

कलेक्टर ने पुछ की वृद्धाश्रम में कोई परेशानी तो नहीं हो रही है,

संकुल समन्वयक ने स्कूलों का किया अवलोकन

पाटन/नवप्रदेश। संकुल स्त्रोत केंद्र परसदा (कुम्हारी) के संकुल शैक्षिक समन्वयक ललित कुमार बिजौरा द्वारा आज दिनांक 3 दिसम्बर दिन शनिवार को शासकीय प्राथमिक एवम उच्च प्राथमिक शाला परसदा का अवलोकन किया गया । सर्वप्रथम शासकीय प्राथमिक शाला परसदा का अवलोकन किया गया , अवलोकन के दौरान दर्ज 152 छात्र--छात्राओं में से 129 छात्र--छात्राएं उपस्थित रहे , कार्यरत 2 शिक्षक शालेय कार्य में उपस्थित रहे । बस्तरहित दिवस में बच्चों को योगाभ्यास , स्थानीय खेलकूद -- कबड्डी , दौड़ , फुाडी का अभ्यास कराया गया । संकुल शैक्षिक समन्वयक ललित कुमार बिजौरा द्वारा छात्र--छात्राओं का रूपा बनाकर मौखिक एवम स्पीड गणित एवम छत्तीसगढ़ के सामान्य ज्ञान पर आधारित प्रश्नोत्तरी किया गया। छात्र--छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रश्नों के जवाब दिये। उन्होंने उपचारात्मक शिक्षण नियमित रूप से बच्चों को देने एवम निर्धारित दक्षता हासिल करने नवाचारी गतिविधियों के माध्यम से आवश्यक पहल हेतु शिक्षकों को प्रेरित किया। शासकीय उच्च प्राथमिक शाला परसदा में दर्ज संख्या 116 एवम उपस्थिति 89 तथा पदस्थ शिक्षक 7 एवम उपस्थित 6 शिक्षक रहे।

युवती को जान से मारने की धमकी देकर दुष्कर्म, आरोपी को कारावास

से आरोपी को दंडित किया गया 25,000 अर्थदंड से दंडित किया गया।

न्यायालय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बलरामपुर थाना अंतर्गत यावर गांव के संदीप उर्फलाल साय उप 34 वर्ष के द्वारा गांव की ही युवती को जंगल में लकड़ी काटने के जाने के दौरान अपहरण करके रह के खेत में ले जाकर जान से मारने की धमकी देते हुए बलात्कार किया गया था वहीं घटना का वीडियो भी बनाया गया था जिसे बाद में उसके देवरानी के व्हाट्सएप पर डाला गया जिसके बाद परिजनों के द्वारा युवती के साथ बलरामपुर थाना पहुंचकर धारा 366 376 एवं 506 आईटी एक्ट की धारा 67 क के तहत अपराध पंजीबद्ध कराया गया था मामले की सुनवाई के प्रथम जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रफुल्ल कुमार सोनवानी के द्वारा की गई वहीं शासन की ओर से पक्ष ध्रुव प्रसाद गुप्ता के द्वारा रखा गया।

आरक्षण कटौती के विरोध में जोगी कांग्रेसियों ने जलाया आरक्षण संशोधन विधेयक 2022 की प्रतिया



कवर्धा/नवप्रदेश। अनुसूचित जाति का 3 प्रतिशत और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों का 6 प्रतिशत आरक्षण कटौती के विरोध में जोगी कांग्रेस ने सिमनल चौक कवर्धा में विरोध प्रदर्शन करते हुए आरक्षण संशोधन विधेयक 2022 की प्रतिथा जलायी । जोगी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सुनील केशरवानी ने कहा कि कांग्रेस की भूपेश बघेल की सरकार छत्तीसगढ़ियों को ठग रही है,अनुसूचित जाति का 3 प्रतिशत और आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्गों का 6 प्रतिशत आरक्षण काटा गया है, यह काला कानून है ।

भी हनन कर रही है।अजित जोगी छात्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष रवि चंद्रवंशी ने कहा कि छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार के द्वारा आरक्षण के संदर्भ में विशेष सत्र बुलाकर अनुसूचित जाति का आरक्षण 3 प्रतिशत और आर्थिक रूप कमजोर वर्गों का 6 प्रतिशत कर इन वर्गों के साथ अन्याय किया है । जिसका जोगी कांग्रेसी पुरजोर विरोध करती है।

इस दौरान जोगी कांग्रेस के दलीचंद ओग्रे ,बिहारी पटेल ,गणेश पात्रे , टिक्कू जैन, रंजित वर्मा, मुकेश चंद्राकर, हीरो जांगड़े ,लिखन साहू ,जलेश्वर खूटे ,मिलाउ नेताम ,विजय श्रीवास , राहुल चंद्रवंशी , गजेन्द्र कश्यप ,रakesh भट्ट ,अमित लहरे ,हेमचंद वारते, रामदास पटेल ,नारायण हसी-खुशी से अपना जीवन ,हरीश कुरें ,सहित जोगी कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजूद थे ।

सोनी डब्लू एच –1000 अक्स एम 5 सर्वश्रेष्ठ नॉइज़ कैसिलिंग हेडफोन में में से एक

सोनी डब्लू एच-1000 अक्स एम 5, लोकप्रिय और सबसे ज्यादा बिकने वाले डब्लू एच-1000 अक्स.एम 4 का परवर्ती है, जिसे हाल ही में भारत में लॉन्च किया गया। सोनी के नए वायरलेस हेडफोन एक नया डिजाइन और उद्योग में अग्रणी नॉइज़ कैसिलिंग अनुभव लाते हैं। डब्लू एच-1000 5 के साथ



सबसे बड़ा बदलाव एक पूर्ण रीडिजाइन के रूप में आता है और पिछली 1000अक्स.सीरीज़ से अलग दिखता है। डब्लू एच-

1000 एक्स एम 5 का हेडबैंड अपने पूर्ववर्ती की तुलना में पतला है और अब एक ही धातु है जो दोनों तरफईयर कप को पकड़े हुए है। यह नया स्वरूप डब्लू एच-1000अक्स एम 5 को पहने में अधिक आरामदायक बनाता है लेकिन अक्स एम4 एस.द्वारा पेश की जाने वाली गतिशीलता को प्रभावित करता है



संपादकीय

चुनाव में तेज होती जुबानी जंग

गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान राजनीतिक पार्टियां जनहित से जुड़े मुद्दों की चर्चा करने की जगह बयानवीर नेताओं पर आश्रीत हो गई है जो आपस में जुबानी जंग करके चुनाव जीतना चाहते है। दरअसल हर चुनाव में यही होता रहा है। पार्टी के बड़बोले नेता एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाने के बहाने व्यक्तिगत टीका टिप्पणी करने लगते है। एक दूसरे पर कीचड़ उछालने लगते है। ऐसा करने से उनकी जनसभाओं में उपस्थित भीड़ जो ज्यादातर पार्टी के समर्थक होते है वे उनकी बेतुकी बातों पर तालिया भी बजाते है। इसके उत्साहित होकर वे और भी ज्यादा बदजुबानी करने लगते है। किन्तु उनकी इस बदजुबानी खामियाजा उनकी पार्टी को भुगतना पड़ता है। क्योंकि आम जनता ऐसी अपवित्र भाषा का कतई पंसद नहीं करती। गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मधुसूदन मिस्त्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनकी औकात दिखाते की बात करके विवाद खड़ा कर दिया था। अब कांग्रेस के ही एक और नेता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्हें भस्मासुर कह दिया है। इसके पहले भी पिछले चुनावों के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मौत का सौदागार, चोर, राक्षस, हिटलर और नीच व्यक्ति तक कहा जा चुका है। यह अलग बात है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जितनी गालिया दी गई या उनके प्रति अपशब्दों का प्रयोग किया गया उतना ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र की लोकप्रियता का ग्राफ ऊंचा उठता गया और कांग्रेस को हर चुनाव में इसका दूष्परिणाम भुगतना पड़ा। इसके बावजूद उसके बयानवीर नेता विवादस्पद बयानबाजी करने और अभद्र टिप्पणी करने से बाज नहीं आ रहे हैं। उनके इस तरह के बयानों से पार्टी को जो नुकसान पहुंच रहा है उसकी उन्हें कतई कोई चिंता नहीं है। सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही नहीं भाजपा और आम आदमी पार्टी सहित अन्य राजनीतिक पार्टियों में भी ऐसे बड़बोले नेताओं की भरमार है जो चुनाव के दौरान ही मुखर होते है और अपनी विवादस्पद बयानबाजी से खबरों की सुर्खियां बनते है। सभी राजनीतिक पार्टियों को चाहिए कि वे ऐसे बड़बोले नेताओं की जुबान पर लगाम लगाने के लिए कड़े दिशा निर्देश जारी करें। क्योंकि उनके बयानों से पार्टी की ही छवि धूमिल होती है। चूंकि चुनाव आयोग ऐसे बयानों पर रोक लगाने में सक्षम नहीं है इसलिए राजनीतिक पार्टियों को ही इस बारे में गहन विचार कर उचित कदम उठाना चाहिए ताकि चुनाव के दौरान राजनीतिक सूचितता बनी रहें और विवादस्पद बयानबाजी के कारण राजनीतिक पार्टियों के नेताओं के बीच शब्दबाण चलाने की होड़ न लगे। उम्मीद की जानी चाहिए कि सभी राजनीतिक दल इस बारे में मंथन कर समय रहते उचित कदम उठाएंगे। अन्यथा बयानवीर नेताओं के बीच चलने वाली इस अग्रिय प्रतिसर्षा का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ेगा।

विचार

डॉक्टरों को ठगी का धंधा न बनाएं

कर्नाटक और गुजरात के मेडिकल कॉलेजों ने गजब कर दिया है। उन्होंने अपने छात्रों की फीस बढ़ाकर लगभग दो लाख रु. प्रति मास कर दी है। याने हर छात्र और छात्रा को डॉक्टर बनने के लिए लगभग 25 लाख रु. हर साल जमा करवाने पड़ेंगे। यदि डॉक्टर की पढ़ाई पांच साल की है तो उन्हें सवा करोड़ रु. भरने पड़ेंगे। आप ही बताइए कि देश में कितने लोग ऐसे हैं, जो सवा करोड़ रु. खर्च कर सकते हैं? लेकिन चाहे जो हो, उन्हें बच्चों को डॉक्टर तो बनाना ही है। तो वे क्या करेंगे? बैंकों, निजी संस्थाओं, सेठों और अपने रिश्तेदारों से कर्ज लेंगे, उसका ब्याज भी भरेंगे और बच्चों को किसी तरह डॉक्टर की डिग्री दिला देंगे। फिर वे अपना कर्ज कैसे उतारेंगे? या तो वे कई गैर-कानूनी हथकंडों का सहारा लेंगे या उनका सबसे सादा तरीका यह होगा कि वे अपने डॉक्टर बने बच्चों से कहेंगे कि तुम मरीजों को ठगो। उनका खून चूसो और कर्ज चुकाओ। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए आजकल निजी अस्पतालों में जबर्दस्त लूट-पाट मची हुई है। उनके कमरे पांच सितारा होटलों के कमरों से भी ज्यादा सजे-धजे होते हैं। किसी मरीज की एक बीमारी के कारण का पता करने के लिए डॉक्टर लोग दर्जनों ‘टेस्ट’ करवा देते हैं। और फिर दवाइयां भी ऐसी बता देते हैं, जिससे रोगी का रोग द्रौपदी का चीर बन जाए ताकि उससे मोटी राशि वसूली जा सके। हमारे डॉक्टर अपना धंधा शुरू करने के पहले यूनानी दार्शनिक के नाम से चली ‘हिप्पोक्रेटिक शपथ’ लेते हैं, जिसमें आदर्श और नैतिक अवचरण की ढेरों प्रतिज्ञाएं हैं। क्या वे उनका पालन सच्चे मन से कभी करते हैं? उनके उल्लंघन से ही उनका पालन ज्यादातर डॉक्टर करते हैं। उन डॉक्टरों की पढ़ाई की यह लाखों रु. फीस इस उल्लंघन का सबसे पहला कारण है। हमारे सर्वोच्च न्यायालय ने इस पर घोर आपत्ति की है। उसने एक याचिका पर अपना फैसला देते हुए कहा है कि जिन कॉलेजों ने अपनी फीस में कई गुना वृद्धि कर दी है, यह शुद्ध लालच का प्रमाण है। यह कॉलेज के प्रवेश और फीस-निर्णायक नियमों का सरसर उल्लंघन है। इस तरह की फीस के दम पर बने डॉक्टरों से सेवा की उम्मीद करना निरर्थक है। इसका एक गंभीर दुष्परिणाम यह भी होगा कि गरीब, ग्रामीण और मेहनतकश तबकों के बच्चे डॉक्टरों शिक्षा से वंचित रह जाएंगे। वे इतनी मोटी फीस कैसे भरेंगे? नतीजा यह होगा कि हमारे डॉक्टरों में ज्यादा वही होंगे, जिनके भला-पिता ऊँची जातियों के होंगे, मालदार होंगे, शहरी होंगे और शिक्षित होंगे। इस तरह के वर्गों से आनेवाले युवा डॉक्टरों में सेवा का विनम्र भाव कितना होगा, इसका अंदाज आप स्वयं लगा सकते हैं।

पाठकों की बात

यूँ अपने पन में सिमट गए मानो

यूँ अपने पन में सिमट गए मानो खुद से ही लिपट गए। करवटे यूँ मंद –मंद चली बेखबर हुई आंहें का भरना जैसा कल ही तो हुआ हो साँसों का साँसों से मिलना ।।
सोनू कुमार आकाश

बहुत फर्क है ? समझदार बनने

बहुत फर्क है ? समझदार बनने में और समझदार होने में लेकिन जो समझदार होता है वो कभी जल्दी अपनी प्रतिक्रिया नहीं देता बात को सो बार तोलता है लेकिन विपरीत इसके समझदार बनने वाला हमेशा प्रतिक्रिया देने को लालायित रहता है भले ही फिर मुह की खानी पड़े??

मधुलिता शुक्ला

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

ख़ास प्ती. मुकद्दर है के अब हमसे संवारा



मुकद्दर के मेरा ही साया अब मुझको नहीं भाता । मुझे बदगमन कर दो बेवफ़ा का नाम दे दे कर वफ़ाओं का कर्ज हमसे संभाला अब नहीं जाता। मोती टूट जाए जो कोई कीमत नहीं उसकी जानिब गिर कर आंख से आंसू लौट कर फिर नहीं आता।

पावनी दीक्षित जानिब

भुरभुरा है दिल का गागर, क्यूँ रखेगा कोई सर पर। वस्ल का दीया जलाऊं, हिज्र के तूफ़ं से लड़ूँ कर। जब से तुमको देखा है सनम, थम गया है दिल का लश्कर। झुट का आकाश बेशक, जल्द ढह जाता है जमीं पर। आशिकी मांगे फकीरी, दानी भी भटकेगा दर-दर।

मुझको तुमसे होगया नेह डॉक्टर जब-जब मिलता हूँ तुमसे गरजे बादल बरसे मेह मन चंचल कहीं उड़ जाता है और धरी रह जाती देह नस-नस में है। मीठी यादें तभी तो हो जाता संदेह प्रेम सदा ही होता मीख बात सही ये निःसंदेह।

- जे डी कृदाल



योगेश कुमार गोयल

इसी कड़ी में आईएनएस कलवरी, रवडेरी और आईएनएस करंज के बाद स्वदेशी पनडुब्बी आईएनएस वेला को भी नौसेना में शामिल किया जा चुका है, जो अत्याधुनिक मशीनरी और टैक्नोलॉजी के साथ-साथ घातक हथियारों से भी लैस है। इस सबमरीन को ‘साइलेंट किलर’ कहा जाता है, जो दुश्मन को उसकी मौत की गनक तक नहीं लगने देती। कुल मिलाकर, भारतीय नौसेना की ताकत दिनों-दिन बढ़ रही है और वर्तमान में इसकी ताकत के आगे पाकिस्तानी नौसेना कहीं नहीं ठहरती तथा चीन की चुनौतियों का भी हमारी नौसेना डटकर मुकाबला कर रही है।



हेमेन्द्र क्षीरसागर

ऐसे में विदेशों से संबंधों का हवाला और देश में सबको एक सूत्र में जोड़ने की कोशिश करते हुए संविधान के अनुच्छेद एक में लिखा गया कि इंडिया अर्थात् भारत राज्यों का संघ होगा। उल्लेखनीय आजादी के बाद देश का नाम भारत तय हुआ। संविधान में राष्ट्रगान और तिरंगा पहले ही निश्चित हो गया था, और तय हो गया था कि अब इस देश में भारत माता की जय का नारा लगाया जाएगा। आजादी के आंदोलन में देश को एक जुट करने के लिए देश भारत माता की जय ही बोला था। यशोगान ऐसे चली हिन्दुस्थान से हिन्दुस्तान तक भारत देश के नामकरण की गाथा।

अभिव्यक्ति

निरन्तर बढ़ रही है भारतीय नौसेना की ताकत

भारतीय नौसेना के जांबाजों को याद करते हुए प्रतिवर्ष 4 दिसम्बर को ‘भारतीय नौसेना दिवस’ मनाया जाता है। यह दिवस 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारतीय नौसेना की शानदार जीत के जश्न के रूप में मनाया जाता है। दरअसल 3 दिसम्बर 1971 को पाकिस्तानी सेना ने हमारे हवाई और सीमावर्ती क्षेत्र में हमला कर दिया था। दुष्ट पाकिस्तान को उस हमले का मुहोड़ जवाब देने के लिए पाकिस्तानी नौसेना के कराची स्थित मुख्यालय को निशाने पर लेकर ‘ऑपरेशन ट्राइडेंट’ चलाया गया था और भारतीय नौसेना की मिसाइल नाव तथा दो युद्धपोतों के आक्रमणकारी समूह ने कराची के तट पर जहाजों के समूह पर हमला कर दिया था। हमले में पाकिस्तान के कई जहाज और ऑयल टैंकर तबाह कर दिए गए थे।

भारतीय नौसेना का वह हमला इतना आक्रामक था कि कराची बंदरगाह पूरी तरह बर्बाद हो गया था और कराची तेल डिपो पूरे सात दिनों तक धू-धूकर जलता रहा था। तेल टैंकरों में लगी अगजों की लपेटों को 60 किलोमीटर दूर से भी देखा जा सकता था। उस हमले में कराची हार्बर फ्यूल स्टोरेज तबाह होने के कारण पाकिस्तानी नौसेना की कमर टूट गई थी। भारतीय नौसेना द्वारा किए गए हमले में तीन विद्युत क्लास मिसाइल बोट, दो एंटी-सबमरीन और एक टैंकर शामिल थे और युद्ध में भारतीय नौसेना ने पहली बार जहाज पर मार करने वाली एंटी शिप मिसाइल से हमला किया था। ऑपरेशन ट्राइडेंट की सफलता के बाद भारत-पाकिस्तान युद्ध में जीत हासिल करने वाली भारतीय नौसेना की शक्ति और बहादुरी को सलाम करने के लिए 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना दिवस मनाने की शुरुआत हुई।नौसेना दिवस समारोह में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की योजना विशाखापट्टनम स्थित भारतीय नौसेना कमान द्वारा तैयार की जाती है। समारोह की शुरुआत युद्ध स्मारक पर पुष्प अर्पित करके की जाती है, उसके बाद नौसेना की पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों आदि की

ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया जाता है। नौसेना के मुंबई स्थित मुख्यालय में इस अवसर पर नौसैनिक अपने शौर्य का प्रदर्शन करते हैं और गेटवे ऑफ इंडिया बीटिंग रिट्टि सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। भारतीय



नौसेना मुख्य रूप से तीन भागों (वेस्टर्न नेवल कमांड, ईस्टर्न नेवल कमांड तथा दक्षिणी नेवल कमांड) में बंटी है। वेस्टर्न नेवल कमांड का मुख्यालय मुंबई में, ईस्टर्न नेवल कमांड का विशाखापत्तनम में और दक्षिणी नेवल कमांड का कोच्चि में है। वेस्टर्न तथा ईस्टर्न कमांड ऑपरेशनल कमांड है, जो अरब सागर और बंगाल की खाड़ी को संभालती है जबकि दक्षिणी नेवल कमांड ट्रेनिंग कमांड है। केरल स्थित एण्ड्रामाली नौसेना अकादमी एशिया की सबसे बड़ी नौसेना अकादमी है। भारत के राष्ट्रपति भारतीय नौसेना के सुप्रीम कमांडर हैं। वॉइस एड्मिरल राम दास कटारी 22 अप्रैल 1958 को भारतीय वायुसेना के पहले भारतीय चीफ बने थे। भारतीय नौसेना का नीति वाक्य है ‘शं नो वरूणः’ अर्थात् जल के देवता वरूण हमारे लिए मंगलकारी रहें। भारतीय नौसेना का कार्य भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करना है और इसके गठन का इतिहास ब्रिटिश काल से जुड़ा अर्पित करके की जाती है, उसके बाद नौसेना की पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों आदि की

जहाजों की सुरक्षा के लिए ‘ईस्ट इंडिया कम्पनी मरीन’ के रूप में की थी। वर्ष 1686 तक ब्रिटिश व्यापार पूरी तरह से बॉम्बे में स्थानांतरित हो जाने के बाद इस दस्ते का नाम ‘ईस्ट इंडिया मरीन’ से बदलकर ‘बॉम्बे मरीन’ कर दिया गया, जिसने मराठा, सिंधी युद्ध के साथ-साथ वर्ष 1824 में बर्मा युद्ध में भी हिस्सा लिया था। वर्ष 1892 में इसका नाम ‘रॉयल इंडियन नेवी’ रखा गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1950 में नौसेना का गठन फिर से किया गया और 26 जनवरी 1950 को भारत के लोकतांत्रिक गणराज्य बनने के बाद इसका नाम रॉयल इंडियन नेवी से बदलकर इंडियन नेवी (भारतीय नौसेना) कर दिया गया।

भारत का इस साल का रक्षा बजट करीब 5.25 लाख करोड़ रुपये है और सैन्य ताकत के मामले में भारत दुनिया का चौथा सबसे शक्तिशाली देश है। भारत के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही भारतीय नौसेना भी वर्तमान में विशालकाय और एडवांस फीचर से लैस अपने युद्धक पोतों, सबमरीन्स इत्यादि के बलबूते दुनियाभर में चौथे स्थान पर है। मौजूदा समय में भारतीय नौसेना की ताकत पर नजर डालें तो भारतीय नौसेना के बेड़े पर नजर डालें तो नौसेना के पास दो विशाल

विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य तथा आईएनएस विक्रांत हैं, जिन पर अनेक एयरक्राफ्ट रखे जा सकते हैं और ताकतवर कमांडो फोर्स अथवा भारी मात्रा में जवानों को तैनात किया जा सकता है। नौसेना के पास आईएनएस जलाश्व नाम का एक एंफ़ीबियस वॉरफेयर शिप है, जो एक हमलावर जहाज है, जिसमें नौसैनिकों को लेकर किसी देश के तट पर हमला करने के लिए भेजा जाता है। एंफ़िबियस वॉरफेयर शिप्स को सपोर्ट करने के लिए मगर, शार्दूल और कुंभीर क्लास के कुल 8 लैंडिंग शिप टैंक्स हैं। नौसेना के पास 8 लैंडिंग क्राफ्ट्स हैं, जो एक प्रकार के बोट्स होते हैं, जिनका उपयोग एंफ़ीबीयस ट्रांसपोर्टेशन के लिए किया जाता है। विशाखापट्टनम, कोलकाता, दिल्ली और राजपूत क्लास के कुल 10 विक्स्वंक हैं।

ये ऐसे जंगी जहाज होते हैं, जिनका प्राइमरी हथियार गाइडेड मिसाइल्स होती हैं। शिवालिक, तलवार और ब्रह्मपुत्र क्लास में कुल 14 फ्रिगेट्स नौसेना के पास हैं। कर्माती, कोरा, खुकरी, वीर और अभय क्लास के कुल 22 कॉर्वेट्स भी हैं। तटीय सुरक्षा, निगरानी, सीमाई सुरक्षा, इमिग्रेशन, लॉ-एनफोर्सेमेंट, सर्च एंड रेस्क्यू इत्यादि कार्यों के लिए नौसेना के पास सरयू, सुकन्या क्लास के कुल 10 ऑफ़शोर पेट्रोल वेसल भी हैं। कार निकोबार, बंगाम और त्रिकट क्लास के 19 पेट्रोल वेसल भी मौजूद हैं। इनके अलावा नौसेना के पास 285 से ज्यादा जहाज, डीजल इलैक्ट्रिक पनडुब्बियां, कुरबा 140 गश्ती पोत/निगरानी जहाज भी हैं, जो इसे दुनिया में चौथी सबसे मजबूत नौसेना बनाते हैं। बहरहाल, यह गर्व की बात है कि हिन्द महासागर में ड़ैगन के कब्जे की रणनीति को नाकाम करने के लिए भारत अपनी समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए लगातार विक्स्वंक युद्धपोतों और पनडुब्बियों के निर्माण में लगा

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार तथा सामरिक मामलों के विश्लेषक हैं)

भारत : हिन्दुस्थान से हिन्दुस्तान तक

प्राचीनकाल से भारतभूमि के अलग-अलग नाम रहे हैं। मसलन जम्बूद्वीप, भारतखण्ड, हिमवर्ष, अजनाभार, आर्यावर्त, हिन्द, हिन्दुस्तान भारत और इंडिया सोने की चिड़िया, भारतवर्ष ऐसे ही अनेकानेक नामों से जानते हैं। आदिकाल में विदेशी लोग भारत को उसके उत्तर-पश्चिम में बहने वाले महानदी सिंधु के नाम से जानते थे, जिसे ईरानियो ने हिंदू और यूनानियो ने शब्दों का लोप करके ‘इण्डस’ कहा। भारतवर्ष को प्राचीन ऋषियों ने ‘हिन्दुस्थान’ नाम दिया था जिसका अपभ्रंश ‘हिन्दुस्तान’ है।

जब अंग्रेज भारत में आए उस समय हमारे देश को हिन्दुस्तान कहा जाता था। हालांकि, ये शब्द बोलने में उन्हें परेशानी होती थी। जब अंग्रेजों को पता चला कि भारत की सभ्यता सिंधु घाटी है। जिसे इंडस वैली भी कहा जाता है। इस शब्द को लैटिन नाम में इंडिया कहा जाता है तो उन्होंने भारत को इंडिया कहना शुरू कर दिया। हमारे देश के बदलते नाम का एक इतिहास बड़ा ही दिलचस्प है। कहते हैं कि महाराज भरत ने भारत का संपूर्ण विस्तार किया था और उनके नाम पर ही इस देश का नाम भारत पड़ा। मध्य काल में जब तुर्क और ईरानी यहां आए तो उन्होंने सिंधु घाटी से प्रवेश किया। वो स का उच्चारण ह करते थे और इस तरह से सिंधु का अपभ्रंश हिंदू हो गया। उन्होंने यहां के निवासियों को हिंदू कहा और हिंदुओं के देश को हिंदुस्तान का

नाम मिला।

आगे, आजादी के बाद संविधान सभा में देश के नाम पर सवाल उठा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र बनने की दिशा में



आगे, आजादी के बाद संविधान सभा में देश के नाम पर सवाल उठा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र बनने की दिशा में बढ़ते ये देश अपना नाम क्या रखेगा। इस दौरान भारत, हिंदुस्तान, हिंद और इंडिया जैसे विकल्पों पर खूब माथापच्ची हुई। 17 सितंबर 1949 को संघ के नाम और राज्यों पर वार्थ शुरु हुई। इस बहस में सेठ गोविंद दास, कलनापति त्रिपाठी, श्रीराम सहाय, हरगोविंद पंत और हरि विष्णु कामथ जैसे नेताओं ने हिस्सा लिया। हरि विष्णु कामथ ने सुझाव दिया कि इंडिया अर्थात् भारत को भारत या फिर इंडिया में बदल दिया जाए।

बढ़ा ये देश अपना नाम क्या रखेगा। इस दौरान भारत, हिंदुस्तान, हिंद और इंडिया जैसे विकल्पों पर खूब माथापच्ची हुई। 17 सितंबर 1949 को संघ के नाम और राज्यों

पर चर्चा शुरु हुई। इस बहस में सेठ गोविंद दास, कमलापति त्रिपाठी, श्रीराम सहाय, हरगोविंद पंत और हरि विष्णु कामथ जैसे नेताओं ने हिस्सा लिया। हरि विष्णु कामथ

का नाम सिर्फ भारत रखने पर बल दिया। इस पर बीच का रास्ता कमलापति त्रिपाठी ने निकाला, उन्होंने कहा कि इसका नाम इंडिया अर्थात् भारत की जगह भारत अर्थात् इंडिया रख दिया जाए। हरगोविंद पंत ने अपनी राय रखते हुए कहा कि इसका नाम भारतवर्ष होना चाहिए, कुछ और नहीं। वहीं भारत या भारतवर्ष नाम का समर्थन करने वाले ये सारे नेता उत्तर भारत या कहे कि हिंदी पट्टी के थे। जबकि भारत का विस्तार उत्तर में कश्मीर से लेकर दक्षिण में कन्याकुमारी तक है। संविधान सभा में हर क्षेत्र, हर भाषा के लोग बैठे थे। हिंदी को राजभाषा मानने पर पहले ही बहुत घमासान हो चुका था।

ऐसे में विदेशों से संबंधों का हवाला और देश में सबको एक सूत्र में जोड़ने की कोशिश करते हुए संविधान के अनुच्छेद एक में लिखा गया कि इंडिया अर्थात् भारत राज्यों का संघ होगा। उल्लेखनीय आजादी के बाद देश का नाम भारत तय हुआ। संविधान में राष्ट्रगान और तिरंगा पहले ही निश्चित हो गया था, और तय हो गया था कि अब इस देश में भारत माता की जय का नारा लगाया जाएगा। आजादी के आंदोलन में देश को एक जुट करने के लिए देश भारत माता की जय ही बोलाता था। यशोगान ऐसे चली हिन्दुस्थान से हिन्दुस्तान तक भारत देश के नामकरण की गाथा। (हेमेन्द्र क्षीरसागर, पत्रकार, लेखक व स्तंभकार)

QUIZ TIME

1) भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण की स्थापना कब की गई थी?

2) अति चालक का प्रतिरोध कितना होता है?

3) कनाडा को किस नाम से जाना जाता है?

4) भारत मे राष्ट्रीय पंचयात दिवस कब मनाया जाता है?

5) शोहन करुणातिलका ने अक्टूबर 2022 में कौन सा पुरस्कार जीता?

उत्तरमाला - (1) 12 वॉल्ट , (2) 0 ग्रेड , (3) शून्य , (4) 24 अक्टूबर

Ramaquiz

आज का इतिहास

नई दिल्ली । भारतीय एवं विश्व इतिहास में 05 दिसंबर की महत्वपूर्ण घटनाएँ इस प्रकार हैं। 1230 जर्मनी के रसायन शास्त्री और दार्शनिक अलबर्ट महान का निधन हुआ। इन्होंने आसैनिक द्वारा तांबे को सफेद करने में सफलता प्राप्त की थी। 1484 पोप इनोसेंट VIII ने पोप बैल बुल प्लूस् डिसइंडेंटस एफिबिबस जारी किया, जिससे डोमिनिकन जिज्ञासु हेनरिक क्रैमर को जर्मनी में जादू टोने का मुकदमा चलाने का स्पष्ट अधिकार मिल गया। 1746 सेनशा शासन के खिलाफ जेनोवा में विद्रोह किया गया। 1757 ल्यूटन की लड़ाई: प्रशियाई सेना ने ऑस्ट्रियाई को धराशायी कर दिया। 1766 जेम्स क्रिस्टी ने क्रिस्टी की नीलामी की पहली बिक्री लंदन के घर में की। 1868 पहला अमेरिकी साइकिल कॉलेज खोला गया। 1876 फयर ब्रकलिन, न्यू यॉर्क

में ब्रकलिन थिएटर में हुआ, जिसमें कम से कम 278 लोग मारे गए, जिनमें से ज्यादातर धूम्रपान के कारण थे। 1879 पहला स्वचालित फोन स्विचिंग प्रणाली तैयार की गयी। 1892 जॉन थॉम्पसन कनाडा के चौथे प्रधानमंत्री बने। 1893 टोरंटो में पहली इलेक्ट्रिक कार बनी जो एक बार चार्ज होने पर 15 मील चलती थी। 1893 एकाधिक मतदान न्यू साउथ वेल्स में समाप्त किया गया। 1916 ब्रिटिश प्रधान मंत्री एच एच अस्क्रिथ ने महायुद्ध के संचालन में दुढ़ता की कमी के कारण इस्तीफा दे दिया। 1919 तुर्की के युद्ध मंत्रालय ने युवानियों, अर्मेनियन और यहुदियों को सैन्य सेवा हटाया। 1926 फोरवेल के टेक्सास शहर में जॉर्ज हासेल ने अपनी पत्नी और आठ बच्चों की हत्या की।

- रुबी झा 'कमल'

■ न्यूज गैलरी

जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति का मामला अटका

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष पद की नियुक्ति का मामला एक बार फिर ठंडे बस्ते में चला गया है। एक याचिका की सुनवाई के बाद छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने अध्यक्ष



पद के लिए साक्षात्कार के परिणाम पर रोक लगा दी है। याचिकाकर्ता ने चयन प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। याचिकाकर्ता का कहना है कि सूची में नाम न दिए जाने के बाद उसने दावा आपति के लिए समय की मांग की थी। उसके आवेदन को खारिज कर दिया है। सकरी निवासी अधिवक्ता ऋतिलाल साहू ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। दायर याचिका में कल है कि खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने प्रदेश के जिला उपभोक्ता आयोग में अध्यक्ष व सदस्य के रिक्त पदों पर मर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किया था। याचिका के अनुसार विभाग द्वारा जारी निर्धारित फॉर्म में पूरी जानकारी भरकर पंजीकृत डाक के माध्यम से पोस्ट कर दिया था। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने 22 अक्टूबर को स्वरुटनी के बाद पात्र व अपात्र उम्मीदवारों की सूची जारी की है। जिन लोगों का नाम अपात्र की सूची में शामिल किया गया है या जिनके आवेदन पत्र में गलती है उनको दावा आपति का समय दिया गया है। याचिका के अनुसार उनको यह नहीं बताया गया है कि उनके आवेदन को किस श्रेणी में रखा गया है। अगर अपात्र किया गया है या फिर आवेदन पत्र गलत है तो इसे बताया जाना चाहिए और दावा आपति का समय दिया जाना चाहिए। याचिका के अनुसार रेजिस्ट्रार छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतिरोध आयोग ने जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष पद के लिए तीन व चार दिसंबर 2022 को राजधानी रायपुर में पात्र उम्मीदवारों की सूची में शामिल अर्जियों के साक्षात्कार के संबंध में परिपत्र जारी किया था। इसके साथ ही साक्षात्कार में जिन अर्जियों को आमंत्रित किया गया है वेबसाइट में उनके नामों की सूची जारी कर दी गई है। याचिका के अनुसार इस सूची में उनका नाम नहीं है। मामले की सुनवाई नोटिस पीपी साहू के सिंगल बैच में हुई। मामले की सुनवाई के बाद छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता प्रतिरोध आयोग रायपुर,सबिह खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम व उपभोक्ता संरक्षण विभाग को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष पद के लिए साक्षात्कार की प्रक्रिया पर रोक लगा दी है।

घरेलू गैस सिलेंडर में क्यूआरकोड लगाने की योजना ठंडे बस्ते में



बिलासपुर/नवप्रदेश। घरेलू गैस सिलेंडर की कालाबाजारी पर अकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार ने सिलेंडरों में क्यूआर कोड लागू करने की घोषणा की थी, लेकिन अभी तक क्यूआर कोड शुरू नहीं हो सका है। इसके कारण उपभोक्ताओं को जानकारी नहीं मिल पा रही है। उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर की पूरी जानकारी के लिए पेट्रोलियम कंपनियां क्यूआर कोड लगाने वाली थीं। इसके बाद भी अब तक इसकी सूचना अभी तक खाद्य विभाग के अधिकारियों तक। ऐसे में उपभोक्ता परेशान हैं कि क्यूआर कोड वाला गैस सिलेंडर उन तक कब पहुंचेगा। कुछ कल नहीं जा सकता। क्यूआर कोड लागू करने पर गैस सिलेंडरों की चेरी,ट्रैकिंग और ट्रैकिंग भी हो पाएगी। इस संबंध में अब तक जिले के खाद्य अधिकारियों व इंडियान ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों को भी मुख्यालय से जानकारी नहीं भेजी गई है।

शाम ढलते ही बढ़ जाता है मच्छरों का प्रकोप, शहरवासी हलाकान

बिलासपुर/नवप्रदेश। एक बार फिर मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। शाम होते ही शहरी क्षेत्र में मच्छरों का आतंक देखने को मिल रहा है। इसने शहरवासियों की दिक्कत बढ़ा कर रख दी है। इसके बाद भी स्वास्थ्य विभाग व नगर निगम का मच्छर नियंत्रण कार्य ठप पड़ा हुआ है। महज याआइपी क्षेत्र में फागिन मशीन का उपयोग कर खानापूट की जा रही है। एक महीने पहले ही शहरी क्षेत्र में डेंगू के मामले थमे हैं। लेकिन ठंड आने के बाद से एक बार फिर मच्छरों की संख्या बढ़ने लगी है। शाम होते ही शहर के स्लम क्षेत्रों के साथ ही पार्श क्षेत्रों में भी इनका आतंक देखने को मिल रहा है। जिस तरह से मच्छरों की संख्या बढ़ी है और इनका हमला लोगों पर हो रहा है, इससे यह आर्थका प्रभाव हो गई है कि फिर से मलेरिया, डेंगू के साथ अन्य मच्छर जनित बीमारियां देखने को मिल सकती है। मच्छरों की बढ़ती संख्या को देखते हुए रोजाना दर्जनों लोग नगर निगम से मांग रख रहे हैं कि क्षेत्र में एटी लावा का छिंकाव करने के साथ ही नियमित रूप से फगिंग कराई जाए। ताकि मच्छरों का प्रकोप कम किया जा सके। लेकिन नगर निगम प्रबंधन इस ओर जरा भी ध्यान नहीं दे रहा है। वहीं, स्वास्थ्य विभाग भी नगर निगम को आग्रहक दवा नहीं दे रहा है। इनके उपयोग से शहरी क्षेत्र में मच्छरों की संख्या कम की जा सकती है।

प्रदेश सरकार के विभिन्न विकास कार्यों का जिले में नहीं दिख रहा असर

मुंगेली/नवप्रदेश। प्रदेश शासन के द्वारा विभिन्न विकास कार्यों के जिले में क्रियाव्यवन नहीं होने के कारण जिले का विकास कार्य पर अनुकूल असर नहीं दिखाई दे रहा है। महिला स्व सहायता समूह द्वारा संचालित रेडी टू ईंट को बंद कर शासन के द्वारा बीज निगम के द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों में सप्लाई कार्य प्रारंभ किया गया है। किन्तु लगभग 8 महीना बीत जाने के बाद भी आपूर्ति सुचारु रूप से व्यवस्थित नहीं हो पाई है। साथ ही कई स्थानों पर रेडी टू ईंट के गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठये जा रहे हैं। समय-समय पर जांच नहीं होने के कारण शासन की यह महत्वपूर्ण योजना सुपर प्लाप होती नजर आ रही है।

आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को पौष्टिक आहार देने के उद्देश्य से रेडी टू ईंट का संचालन पूर्व में महिला स्व सहायता समूह के माध्यम से कराया जा रहा था। जिसे



राज्य शासन ने रद्दों बदल करते हुए बीज निगम के माध्यम से रेडी टू ईंट का सप्लाई करने की योजना बनाई गई। 8 माह बीत जाने के बाद भी उचित प्रबंधन नहीं होने के कारण दूरस्थ इलाकों में पोषणयुक्त रेडी टू ईंट की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। जिसके चलते आंगनबाड़ी केंद्रों में पहुंचने वाले बच्चों को रेडी टू ईंट से वंचित होना पड़ रहा है। वहीं रेडी टू ईंट के आपूर्ति के माध्यम से कराया जा रहा था। जिसे

पेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अधिकार आंगनबाड़ी केंद्रों में आपूर्ति की गई है। जिनमें गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। प्रमुख रूप से आटा में कई शिकायतें का मामला उजागर हुआ है। वास्तविकता में रेडी टू ईंट की इस आपूर्ति का समय-समय पर महिला एवं बाल विकास के द्वारा गुणवत्ता की जांच की जानी थी। किन्तु अब तक गुणवत्ता की जांच नहीं की गई है। इस संबंध में जिला

कार्यक्रम अधिकारी सुरेश सिंह का कहना है कि शिकायत मिलने पर जांच की जाएगी। बीज निगम द्वारा रेडी टू ईंट की आपूर्ति के संबंध में बीज निगम के जिला कार्यालय से जानकारी लेने पर उन्होंने बताया कि हमारे यहां से कोई सप्लाई नहीं की जाती यह सीधे रायपुर से सप्लाई की जाती है।शासन की इस महत्वपूर्ण योजना के संबंध में जिले में की जा रही लापरवाही चिंतनीय विषय है।

इस संबंध में विधायक पुत्रुलाल मोहले ने कहा कि रेडी टू ईंट के संबंध में शिकायते मिल रही हैं। इस संबंध में संबंधित विभाग से जानकारी लेकर व्यवस्था को दुरुस्थ कराया जाएगा। दोषी कर्मचारियों के खिलाफकार्यवाही की मांग की जाएगी। वहीं जिला क्रॉस के जिलाध्याक्ष सागर सिंह ने कहा की मामले के सम्बन्ध मे जानकारी ली जावेगी और व्यवस्था दुरुस्त कराया जावेगा।

मां-बेटी ने बच्ची का किया अपहरण, फिर करवाया रेप

■ नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाकर कमरे में किया बंद, होश आया तो बिना कपड़ों के सुनसान जगह पर मिली

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने अपनी बेटी और उसके बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर पहले तो बच्ची का अपहरण किया। इसके बाद उसे बेहोश कर दिया। बाद में ग्राहक बुलाकर उससे लड़की का रेप करवाया है। इस मामले में पुलिस ने महिला, बेटी और उसके बॉयफ्रेंड को गिरफ्तार किया है। वहाँ रेप करने वाले युवक की तलाश का जा रही है। मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है।

सरकंडा इलाके में रहने वाली 6वीं की छात्रा अचानक घर से लापता हो गई थी। 12 साल की बच्ची के लापता होने के बाद उसके परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने पुलिस को गुमराह करने की भी कोशिश की थी। इस बीच लड़की लोखंडी



लोखंडी निवासी सरिता डेविड (36), उसकी बेटी बिपाशा डेविड (18) पर संदेह जताया था।

बताया गया कि आखिरी बार लड़की इन्हीं के साथ दिखी थी। जिसके बाद पुलिस ने इन्हें भी फोन लगाया था। मगर सरिता ने मना कर दिया था कि लड़की उनके साथ नहीं है। उसने पुलिस को गुमराह करने की भी कोशिश की थी। इस बीच लड़की लोखंडी

इलाके के रपटा के पास मिली थी।

बहाने से अपने साथ ले गए

पुलिस ने लड़की से पूछताछ की तब उसने बताया जो हैरान कर देने वाला है। पीड़ित के मुताबिक 29 नवंबर को वह घर पर थी। उसके पिता बाहर की तरफकुछ काम कर रहे थे। इतने में सरिता, बिपाशा और उसका बॉयफ्रेंड मो. सिराज (19) उसके घर आए

थे। घर आने के बाद पहले तो तीनों ने सामान्य बातचीत की। फिर कुछ बहाने से मुझे अपने घर ले गए थे।

बेहोश कर कमरे में किया बंद

पीड़ित ने बताया कि वहां ले जाने के बाद मुझे कोल्ड ड्रिंक दिया था। उसी वक्त सरिता ने किसी लड़के को भी घर में बुलाया था। मगर कोल्ड ड्रिंक पीने के बाद मुझे क्या हुआ पता नहीं चला। बाद में जब होश आया तो मुझे पता चला कि मेरे साथ रेप किया गया है। मेरे कपड़े खुले थे, मुझे ठीक भी नहीं लग रहा था। मैं एक कमरे में बंद थी। इतना ही नहीं मैं जब सरिता से भी इस बारे में पूछा, तब उसने भी मुझे ये बात बताई। बाद में जब मेरे घरवालों ने सरिता को फोन किया तब मुझे इन लोगों ने रपटा के पास छोड़ दिया था और फरार हो गए थे।

ग्राहक से 5 हजार रुपए लिए

लड़की के इस बयान के बाद पुलिस ने

सरिता, बिपाशा और मो.सिराज की ताफी तलाश की। लेकिन शुरुआत में कुछ पता नहीं चल पा रहा था। अब शनिवार को पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार किया है। इसके बाद पुलिस ने इनसे भी पूछताछ की। जिसमें इन्होंने पूरे घटनाक्रम के बारे में जानकारी दी। आरोपियों ने अपहरण करने की बात भी कबूली और यह भी बताया कि हमने एक ग्राहक को बुलाया था। उससे 5 हजार रुपए भी लिए। लेकिन काफी पूछताछ पर भी अभी उस युवक का नाम नहीं पता चल सका है, जिसने लड़की से रेप किया था। आरोपियों ने बताया कि लड़की को बेहोश करने कोल्ड ड्रिंक में नशे की गोलिएं मिलाई थीं।

उधर पुलिस ने इनका फोन भी तलाश लिया है। लेकिन आरोपियों ने मोबाइल को ही पूरी तरह से फॉरमेट कर दिया है। जिसके कारण उसमें भी कुछ जानकारी नहीं मिल सकी है। पुलिस अब इस मामले में साइबर सेल की मदद लेकर जांच कर रही है।

निगम कमिश्नर निकले अतिक्रमण हटाने, दो गाड़ी व सामान जब्त

बिलासपुर /नवप्रदेश। ट्रैफिक में बाधक अतिक्रमण, ठेले तथा दुकान का सामान रोड पर रखने वालों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए शनिवार को नगर निगम कमिश्नर वासु जैन खुद अतिक्रमण निवारण दस्ते के साथ निकले। प्रशिक्षु आईएएस ने सदर, गोल बाजार पर कपड़ों की दुकान के बाहर लगाए गए पुतले, बोर्ड, हैंगर में टंगे कपड़े आदि जब्त करवा दिए। अतिक्रमण दस्ते की कार्रवाई देवकीनंदन चौक से शुरू हुई। प्रताप टाकीज तक 4-5 पुतले जब्त किए गए। इसके बाद गोल बाजार शनिचरी, वाल्मीकि चौक तक कार्रवाई की गई। रास्ते पर ठेला लगाने पर 8 लोगों के ठेले जब्त कर लिए गए।

वहीं अवैध रूप से पंडाल, बैनर, पोस्टर लगाने वालों पर भी कार्रवाई की गई। अतिक्रमण निवारण दस्ते के प्रभारी प्रमिल शर्मा ने दावा किया आज की कार्रवाई में दो काउ कैचर भर कर सामान जब्त किया गया। दुकानदारों को समझाइश दी गई कि वह अपना सामान दुकान के अंदर रखें और ट्रैफिक को व्यवस्थित करने में सहयोग करें अन्यथा सामान जब्त कर लिया जाएगा। अतिक्रमण निवारण दस्ते की कार्रवाई अब रोज चलेगी।



जिला अस्पताल में गर्भवती और उसके पति से कर्मचारियों ने किया दुर्यवहार, 2 को नोटिस

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिला अस्पताल में जांच कराने पहुंची गर्भवती महिला और उसके पति के साथ पचीं और कैश काउंटर के दो कर्मचारियों ने दुर्यवहार किया। उनसे नई बिल्डिंग के लिए पचीं काटने की बात कही गई, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। और उल्टे महिला के पति पर दबाव बनाने लगे। जिसकी शिकायत सिविल सर्जन से हुई। मामले के बाद सिविल सर्जन ने दो कर्मचारियों को नोटिस देकर अस्पताल की छवि धूमिल करने की बात लिखी है। कोमलचंद्र देवांगन ने इसकी शिकायत कलेक्टर से की है। उन्होंने बताया है कि शेख अयूब और धमेंद्र लहरे ने उनके और उनकी पत्नी से बुरा व्यवहार किया है। वे 5 नवंबर को सही 10 बजे अपनी पत्नी को लेकर अस्पताल पहुंचे। लंबी लाइन में लगने के बाद जब उनका पचीं काटने के लिए नंबर लगा। इसके बाद कोमल ने नई बिल्डिंग की पचीं काटने की बात कही, तो दोनों कर्मचारियों ने उन्हें मना किया। कोमलचंद्र



देवांगन ने कर्मचारियों को इसके संदर्भ में वहां बोर्ड लगवाने की बात कही, तो कर्मचारियों ने बुरा भला कहना शुरू कर दिया। इसके बाद पीड़ित ने इसकी शिकायत बड़े अधिकारियों से की। मामले में जब कलेक्टर ने सिविल सर्जन से जवाब मांगा तो उन्होंने दोनों कर्मचारियों को नोटिस जारी किया। फिर्ताहाल कर्मचारियों की तरफ से इस मामले में जवाब पेश नहीं किया गया है।

जिला अस्पताल में मरीजों से दुर्यवहार और सही इलाज नहीं मिलने की शिकायत आम हो गई है। यहां कथित तौर पर डॉक्टरों से मिलने के लिए टोकन सिस्टम शुरू किया गया है, लेकिन कई बार उसका पालन नहीं हो रहा।

गाली देने से रोका, एमबीबीएस स्टूडेंट्स ने की मारपीट



■ कैफे के बाहर कर रहे थे विवाद, संचालक ने मना किया, दोनों पक्षों में चले लात-घूंसे

बिलासपुर /नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में शनिवार रात को कैफे संचालक और एमबीबीएस स्टूडेंट्स के बीच मारपीट हो गई। स्टूडेंट्स कैफे के बाहर गाली-गलौज कर विवाद कर रहे थे। इतने में संचालक ने उन्हें मना किया। जिसके बाद स्टूडेंट्स ने पहले तो संचालक से विवाद किया। फिर अपने और साथियों को लेकर पहुंच गए। इसके बाद दोनों पक्षों में जमकर लात-घूंसे चले हैं। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है।

सिमस मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे कुछ छात्र शनिवार रात को पुलिस पेट्रोल पंप के तरफ घूमने आए थे। वहां से सभी वापस लौटकर मेडिकल कॉलेज हॉस्टल जा रहे थे। ये अभी रात के 10 बजे के आस-पास मिशन हॉस्पिटल के बगल में स्थित मिनी चौपाटी के

पास पहुंचे थे। इतने में किसी बात को लेकर यह आपस में विवाद करने लगे। छात्र आपस में ही काफी गाली-गलौज कर रहे थे। बताया गया कि जहां पर छात्र गाली-गलौज कर रहे थे। वहां पर एक कैफे भी है, ये देखकर उस कैफे का संचालक वहां पहुंच गया और उसने गाली-गलौज करने से मना किया था। मगर छात्र नाराज हो गए और उससे विवाद करने लगे। बाद में सभी छात्र वहां से चले गए। लेकिन कुछ देर बाद वे कुछ और साथियों के साथ वापस लौटे। इस दौरान उनके हाथ में डंडे और हॉकी स्टिक भी थी।

वापस लौटने के बाद छात्रों ने संचालक से फिर से विवाद शुरू कर दिया और मारपीट करने लगे। इतने में संचालक और कर्मचारियों ने भी मारपीट की। दोनों पक्षों के बीच काफी विवाद होता रहा और लात-घूंसे चले। घटना के बाद किसी तरह से मामले को शांत कराया गया और दोनों पक्ष शिकायत करने रात को ही थाने पहुंचे थे। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर मामले में जांच शुरू की है।

सीआर एक्स-रे मशीन से पैर की हड्डी का सफल ऑपरेशन

मुंगेली/नवप्रदेश। ग्राम घुटेली निवासी 6 वर्षीय बालक खेलते समय दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के चलते पैर के घुटने के पास की दोनों हड्डियां टूट गईं। अचानक हुई घटना से परिजन परेशान हो गये। घायल बालक को जिला अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने सीआर एक्स-रे मशीन के जरिये बालक का छोटे चोरे से पैर की हड्डी का सफल ऑपरेशन किया।

जिला अस्पताल में बड़े शहरों जैसी आधुनिकताम सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिससे मरीजों को इलाज के लिये बाहर फिर न करना पड़े। कलेक्टर राहुल देव के प्रयास से डीएमएफफण्ड से अस्थि रोग के इलाज के लिये सीआर एक्स-रे मशीन जिला अस्पताल को उपलब्ध कराया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी



डॉ. देवेन्द्र पैकरा एवं सिविल सर्जन सह सी-आर्म मशीन के जरिये 3 दिसंबर राख के प्रयास से जिला अस्पताल की व्यवस्था को दुरुस्थ किया जा रहा है। गंधीर मरीजों के ऑपरेशन जिला अस्पताल में लगातार किये जा रहे हैं। खेलते समय दुर्घटनाग्रस्त हुए बालक के पैर के घुटने के पास टूटे हड्डी का सफल ऑपरेशन किया गया। अस्थि रोग

विशेषज्ञ डॉ. श्रेयांश पारख ने बताया कि सी-आर्म मशीन के जरिये 3 दिसंबर शनिवार को ग्राम घुटेली निवासी 6 वर्षीय मरीज प्रियांशु मानिकपुरी पिता प्रकाश मानिकपुरी का छोटे चोरे से पैर की हड्डी का सफल ऑपरेशन किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार सी आर्म मशीन हड्डी से जुड़े ऑपरेशन के काम में आती है। इस मशीन के जरिए डॉक्टर

आवासीय कालोनी में प्रदूषण, हाउसिंग बोर्ड ने कोर्ट में पेश किया जवाब

बिलासपुर/नवप्रदेश। अंतरराष्ट्रीय बस स्टैंड स्थित अगिलाषा परिसर में फैल रहे प्रदूषण को लेकर दायर याचिका पर छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। पूर्व में जारी नोटिस के तहत हाउसिंग बोर्ड ने अपने वकील के जरिए कोर्ट में जवाब पेश किया। बोर्ड के जवाब के बाद याचिकाकर्ता के अधिवक्ता को जवाब पेश करने के निर्देश कोर्ट ने दिए हैं। दायर याचिका में कहा कि अगिलाषा परिसर आवासीय कालोनी के आसपास कोल डीपिंग साइड के अलावा कोल वाशरी का संचालन किया जा रहा है। इसके कारण वॉबीस घंटे पर्यावरण में कोयले का इस्ट हवा में उड़ते रहता है। यह लोगों के लिए घातक है। इससे गंभीर बीमारी का खतरा भी बना हुआ है। अगिलाषा परिसर रेडीडेट्स वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष राजेश केदारवाली ने जनहित याचिका दायर की है। इसमें कहा है कि परिसर के आसपास कोल वाशरी के अलावा आयल मिल व प्लॉर मिल का संचालन किया जा रहा है। इससे निकलने वाले धुएं के कारण वातावरण में पूरे समय दबाव बना रहता है। कालोनीवासियों के साथ ही रहने वाले बच्चों को सांस लेने में तकलीफही रही है।

ट्रैक्टर ने बाइक को मारी ठोकर , 2 घायल

मुंगेली/नवप्रदेश। रोड निर्माण कार्य में लगे स्वराज ट्रैक्टर नीला सफेद रंग जिसके पीछे ट्रैक्टर लगे वाहन चालक ने तेजी एवं लापरवाही पूर्वक चलाते हुये दो युवकों को ठोकर मारकर घायल कर दिया। घायल युवकों के पैर, पीठ हाथ एवं अन्य जगहों में चोट आई। घायलों को अस्पताल में उपचार के लिए ले जाया गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर सिटी कोतवाली पुलिस ने धारा 279, 337 के तहत जुर्म दर्ज कर कार्यवाही कर रही है।

ग्राम फंदवानी निवासी पुनाराम साहू मोटर सायकल बनाने का काम करता है। 1 दिसंबर को सुबह 10 बजे पुनाराम साहू तथा उसका साथी सुनील कुमार मानिकपुरी ग्राम मजगांव से मोटर सायकल से अपने गांव फंदवानी आ रहे थे। फंदवानी नहर पुल के पास पहुंचने पर उसका साथी दुर्गेश यादव उसे रूकवाया। तब वह मोटर

सायकल को रोककर अपने दोस्त सुनील कुमार मानिकपुरी के साथ नीचे उतरे और तीनों रोड किनारे खड़े होकर बात कर रहे थे। उसी समय रोड निर्माण कार्य में लगे स्वराज ट्रैक्टर नीला सफेद रंग का जिसके पीछे ट्रेंकर लगा था जिसका चालक द्वारा अपने ट्रैक्टर को तेजी एवं लापरवाही पूर्वक चलाते हुये लाकर दोनों युवकों को ठोकर मारकर एक्सीडेंट कर दिया। एक्सीडेंट से पुनाराम साहू के दाहिने पैर, पीठ में तथा उसके साथी सुनील कुमार मानिकपुरी के दाहिने हाथ एवं अन्य जगहो मे चोट आई है। घायलों को अस्पताल में उपचार के लिए ले जाया गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर सिटी कोतवाली पुलिस ने धारा 279, 337 के तहत जुर्म दर्ज कर कार्यवाही कर रही है।

जैन समाज ने मंदिर का नवनिर्माण कार्य चयन बोली के माध्यम से करने का लिया निर्णय

मुंगेली/नवप्रदेश। जैन समाज ने मंदिर का नवनिर्माण का कार्य शुरू करने से पूर्व भगवानजी को पुरानी वेदी से नई वेदी में विराजमान करने के लिए सौभाग्यशाली सौधर्म का चयन बोली के माध्यम से करने का निर्णय लिया गया। दिगांबर जैन समाज के प्रचार मंत्री अनूप जैन ने बताया कि दिगांबर जैन मंदिर में मूलनायक 1008 भगवान श्रीपार्श्वनाथ 72 साल पूर्व से वेदी में विराजमान थे। समाज से कई लोगों ने बोलियां बड़-चड़कर लगाईं। जिसमें स्वर्गीय पदचंद्र स्वर्गीय आलोक जैन के पुत्र शोभाच जैन वैद्य परिवार ने सबसे बड़ी बोली लगाकर सौभाग्यशाली सौधर्मद्र बनकर पंडित अरुण एवं अभिषेक के विधि पूर्वक मंत्र उच्चारण कर नई



वेदी में सकल जैन समाज की उपस्थिति में विराजमान कर संपन्न कराया गया। समाज के सभी लोगों ने इस अवसर के लिए परिवार वालों को नम्रुप जैन, बधाई एवं शुभकामनाएं दी। दूसरे दिन परिवार के द्वारा समाज का वात्सल्य भोज कराया गया। इस अवसर पर

दिगांबर जैन समाज के अध्यक्ष शरद जैन, कार्यकारी अध्यक्ष पवन जैन, सचिव विकास जैन, प्रचार मंत्री अनूप जैन, कोषाध्यक्ष आशीष जैन, संजीव जैन, अनुराग जैन, नितिन जैन एवं समाज के सभी वरिष्ठजन की उपस्थिति रही।

बच्चों में मानसिक समस्याओं और इलाज संबंधी दी गई जानकारी

टु मानसिक समस्या होने पर हेल्प लाइन नंबर 18005990019 तथा 104 पर करें संपर्क

अंबिकापुर/नवप्रदेश। जनमानस को शारीरिक स्वास्थ्य समस्याओं के समान ही मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के लिए जागरूक करने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है। विविध कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जागरूकता लाने का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में बच्चों एवं किशोरों में होने वाली मनोवैज्ञानिक समस्याओं पर 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (25 नवंबर से - 30 नवंबर तक) डाइट अंबिकापुर में संपन्न हुआ छ डीएमएचपी (जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम) की टीम द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम में 40 के करीब शिक्षक



एवं शिक्षिकाओं को बच्चों और किशोरों में 4 तरह की दिव्यांगता (मानसिक समस्याओं से संबंधित बीमारी) के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इस दौरान मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जनजागरूकता संबंधित सामग्री भी वितरित की गई। जिसमें मानसिक समस्याओं की पहचान कैसे करें, मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं क्या हैं, इस बारे में जानकारी दी गई थी। इस अवसर पर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. सुमन कुमार ने



बच्चों और किशोरों में होने वाली मनोवैज्ञानिक समस्याएं जैसे - बौद्धिक विकलांगता, स्वलीनता, शिक्षण विकलांगता, नोमोफेबिया, व्यावहारिक समस्याओं पर भी विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इस मौके पर डॉ. कुमार ने इन रोगों की पहचान करने, स्क्रीनिंग करने, मनोवैज्ञानिक टूल्स लगाए जाने, कारण एवं प्रबंधन करने के संबंध में बताया। साथ ही क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट ने मानसिक रोग के जाँच एवं इलाज सुविधा जो की नवापारा शहरी स्वास्थ्य केंद्र



एवं जिला चिकित्सालय (डी. इ. आई. सी.) में निशुल्क उपलब्ध है के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देकर अध्यापकों को प्रशिक्षित किया। इस मौके पर डॉ. सुमन ने बताया शारीरिक स्वास्थ्य के समान ही मानसिक स्वास्थ्य के प्रति भी लोगों में जागरूकता की जरूरत है। व्यक्ति को किसी तरह की मानसिक दिक्कत होती है तो उसे नजर अंदाज करने की बजाए उन्हें उसके उपचार के बारे में सोंचना चाहिए। उन्होंने अध्यापकों को आर्टिज्म एवं लर्निंग डिसेबिलिटी

वाले बच्चों और किशोरों की पहचान कर उन बच्चों के माता-पिता को उन बच्चों की मानसिक अस्वस्थता के बारे में बताकर जल्द से जल्द उसका उपचार शुरू करने की अपील की। ताकि जल्द ऐसे बच्चों का उपचार और मनोवैज्ञानिक धैर्यी शुरू होने से उन बच्चों की मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं पर काफी हद काबू पाया जा सके। वहीं कम्प्युनिटी नर्स मनोज कुमार द्वारा निशुल्क आर्टिज्म (स्वलीनता) एवं बौद्धिक

विकलांगता (इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी) का दिव्यांगता प्रमाणपत्र भी क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट एवं मेडिकल बोर्ड द्वारा बनाया जाता है, के बारे में भी शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं को बताया गया। साथ ही सभी को मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार निःशुल्क दिया जाता है। इसलिए मानसिक स्वास्थ्य समस्या होने पर घबराएं नहीं बल्कि नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र या मनोचिकित्सक से संपर्क कर इसका उपचार कराएं। इस दौरान सभी अध्यापकों एवं अध्यापिकाओं को तनाव प्रबंधन अवसाद एवं तनाव के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देकर इनका परीक्षण करने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान, लक्षण और उपचार संबंधी जानकारी देकर इससे संबंधित सामग्री उपस्थित लोगों को बांटे गए। उपरोक्त कार्यक्रम मुख्य रूप से सीएमएचओ डॉ. पी. एस.

जिला स्तरीय दिव्यांगजन खेलकूद का आयोजन



मोहला/नवप्रदेश। अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय मोहला के हाई स्कूल मैदान में जिला स्तरीय दिव्यांगजन खेलकूद का आयोजन किया गया। सरपंच मती सरस्वती ठाकुर ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान दिव्यांग बच्चों ने विभिन्न विधाओं में अपना जौहर दिखाया। खेलकूद कार्यक्रम में मटका फेड़, जलेबी दौड़, चम्मच दौड़, गोला फेंक कुर्सी दौड़, निम्बू चम्मच दौड़, 100 मीटर दौड़ आयोजित किया गया। जनपद सीईओ गोपाल सिंह ने दिव्यांग बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि कहा आप सभी पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद में निरंतर

प्रगति करिए। खेलकूद कार्यक्रम में तीनों विकासखंड से 52 बच्चों ने भाग लिया। जिसमें मोहला- 20, मानपुर-12 और अम्बागढ़ चौकी से 20 थे। निःशकजन विवाह प्रोत्साहन योजना के तहत मती गणेश्वरी भारद्वाज संग चुम्पन भारद्वाज, गोविंद सिन्हा संग मती शैलेन्द्री सिन्हा, चंद्रकुमार संग मती द्रौपदी, विकास कुमार कौशिक संग मती दिनेश्वरी कडियाम का विवाह संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग के ब्रीके बघेल, दिव्यांगजन के पालक, संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

बाल वैज्ञानिक राष्ट्रीय स्तर के लिए कोरिया के अन्नया चयनित



चिरमिरी/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद रायपुर के तत्वधान में राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का राज्य स्तरीय आयोजन ऑनलाइन मोड में संपन्न हुआ। इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में कोरिया जिले की बाल वैज्ञानिक अनन्या सिंह डी.ए.वी पब्लिक स्कूल चिरमिरी जूनियर रूफ का प्रोजेक्ट राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता हेतु चयनित हुआ है। बाल वैज्ञानिक अनन्या सिंह ने बायोचार : मुदा उर्वरक प्रोमोटर बिषय पर परियोजना तैयार किया। अपशिष्ट पदार्थों का निष्पादन एक गम्भीर समस्या है इस परियोजना का उद्देश्य घरेलू , कृषि इत्यादि अपशिष्ट पदार्थों का बायोचार तैयार करके उसका उपयोग मुदा की उर्वरकता बढ़ाने, पानी अवशोषण की क्षमता बढ़ाने तथा रोगों को रोकने मे मदद मिलेगी । उक्त आशय की जानकारी जिला समन्वयक बाल विज्ञान कांग्रेस कोरिया डॉ डीके उपाध्याय दिया है । परियोजना निर्माण मे मार्गदर्शक शिक्षक ओ. पी.कटेरे का योगदान रहा ।राष्ट्रीय स्तर हेतु चयनित प्रतिभागियों, मार्गदर्शक शिक्षक, संस्था प्राचार्य एवं शिक्षकों को संजय गुप्ता जिला शिक्षा अधिकारी कोरिया एवम अजय मिश्रा जिला शिक्षा अधिकारी एम.सी.बी.ने बधाई दिया है तथा राष्ट्रीय स्तर पर भी बेहतर प्रदर्शन की कामना किया है । राष्ट्रीय स्तर का आयोजन साईंस सिटी अहमदाबाद गुजरात मे होगा ।

महाविद्यालय एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्यों की संयुक्त बैठक



बीजापुर/नवप्रदेश। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राजेंद्र कटार के निर्देशानुसार उप जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज बंजारे के द्वारा जिला बीजापुर के समस्त महाविद्यालय के प्राचार्य एवं हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्यों का 1 अक्टूबर 2023 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों का नाम जोड़ने के लिए जिला कार्यालय बीजापुर के सभाकक्ष में बैठक आयोजित किया गया। मनोज बंजारे के द्वारा अध्ययनरत विद्यार्थियों का दिनांक 8 दिसंबर 2022 से पूर्व ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन फार्म 6 भरने के लिए निर्देशित किया गया। मनोप बोराडे सहायक प्रोग्रामर के द्वारा एनवीएसपी पोर्टल एवम वोटर हेल्पलाइन एप के माध्यम से मतदाताओं को ऑनलाइन जोड़ने के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। सभी संस्था प्रमुखों को उनके संस्था में अध्ययनरत 1 अक्टूबर 2023 की स्थिति में 18 वर्ष के आयु पूर्ण करने वाले पात्र सभी विद्यार्थियों की सूची उपलब्ध कराई गई। बैठक के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बीजापुर पवन कुमार प्रेमी, जिला शिक्षा अधिकारी बीआर बघेल, सभी तहसीलदार खंड शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य एवं जिला निर्वाचन कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित थे।

नया अध्यक्ष ने किया मुक्ति केंद्र का उद्घाटन



सुरजपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर ईप्फत आरा के निर्देशन में एवं समाज कल्याण विभाग जिला सुरजपुर के उपसंचालक बी तिकी के मार्गदर्शन में समाज सेवी संस्था छत्तीसगढ़ शहरी सेवा संस्थान लखनपुर जिला सरगुजा के तत्वावधान में विश्व विकलांग दिवस के अवसर पर जिला सुरजपुर में नशा मुक्ति केंद्र का उद्घाटन मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष के के अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि गैबी नाथ साहू पार्षद, कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि बिरेन्द्र बंसल पार्षद, अध्यक्षता विधायक प्रतिनिधि गीरधारी साहू के द्वारा किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शहरी सेवा संस्थान के सचिव सुरेंद्र साहू ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि यह नशामुक्ति मुक्ति केंद्र समाज कल्याण विभाग सुरजपुर के दिशा-निर्देश में चलेगा। इस अवसर पर आये हुए सभी अतिथियों का स्वागत छत्तीसगढ़ शहरी सेवा संस्थान के सिद्धार्थ मिश्रा, जितेंद्र सोनी, दुधनाथ गोस्वामी, अमित मिश्रा,अजय सोनी, योगेश गुप्ता,पायल गुप्ता, नर्स अमृता राजवाड़े,दिपक देवांगन ने किया इस अवसर पर मुख्य अतिथि सुरजपुर के नगरपालिका अध्यक्ष के के अग्रवाल ने कहा कि नशा मानव समाज के लिए घातक है इससे समाज में अनेकों अपराध पनपते हैं। सुरजपुर जिला में नशा मुक्ति केंद्र की आवश्यकता थी।इस दौरान वीरेंद्र बंसल पार्षद ने कहा कि सुरजपुर जिला में नशा मुक्ति केंद्र कि आवश्यकता थी। हमारे पास अनेक लोग नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती के लिए आते थे नशामुक्ति सुरजपुर में नहीं होने से परेशानी होती थी। विशिष्ट अतिथि गैबी नाथ साहू पार्षद अधिकांश में कहा कि छत्तीसगढ़ शहरी सेवा संस्थान नशा मुक्ति जागरूकता अभियान लगातार चला रही है। आज सुरजपुर में नशा मुक्ति केंद्र की सुरुवात हो रही है। मैं इस सामाजिक कार्य में पुरी सहायता और मदद करूंगा। नशेडी ब्यक्ति अपने इच्छाओं को पूरी करने के लिए चोरी, लूट , डकैती

दिशा साहू के प्रोजेक्ट का चयन राष्ट्रीय स्तर के बाल विज्ञान कांग्रेस के लिए



टु राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चौथा स्थान प्राप्त की

कांकेर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस nationalnationalo विज्ञान, प्रौद्योगिकी संचार परिषद, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार का एक राष्ट्रव्यापी प्रतिष्ठित कार्यक्रम है। छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के बाद से यह 22वाँ राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस है।

छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा 30वाँ राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के अंतर्गत तीन दिवसीय राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस-2022

का आयोजन दिनांक 01 से 03 दिसम्बर 2022 तक स्कूल ऑफ स्टडीज इन बायोटेक्नोलॉजी पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर बच्चों के मन को विज्ञान और वैज्ञानिक सिद्धांतों के प्रति प्रज्वलित करने और उनकी रचनात्मकता को उजागर करने और उनकी कल्पना को फैलाने का अवसर प्रदान करने के लिए गठित है। जिला संयोजक पवन कुमार सेन ने बताया की तकनीकी सत्र में बच्चों ने पहचाने गए विषय: स्वास्थ्य और भलाई के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को समझना और 05 उप-विषयों (अपने पारिस्थितिकी तंत्र को जानें, स्वास्थ्य,

पोषण और कल्याण को बढ़ावा देना, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रथाओं के लिए) पर अपनी परियोजनाओं को ऑफ़लाइन और ऑनलाइन मोड में प्रस्तुत किया।

कलेक्टर डॉ प्रियंका शुक्ला, जिला शिक्षा अधिकारी भुवन जैन के दिशा निर्देशन और जिला संयोजक पवन कुमार सेन के मार्गदर्शन में जिले से सीनियर वर्ग से 3 एवं जूनियर वर्ग से 2 प्रतिभागी का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। दिनांक 3 दिसम्बर 2022 को राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस के समापन सत्र में डॉ. एस. कर्मकार, महानिदेशक, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद एवं क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र, रायपुर मुख्य अतिथि एवं माननीय कुलपति प्रो. के. एल. वर्मा विशिष्ट अतिथि थे। उन्होंने अपने प्रेरक विचारों और सुझावों से सभी को प्रेरित किया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले से दिशा साहू सहयोगी गीतांजलि साहू, लालिमा साहू का चयन राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के लिए किया गया है।

कमिश्नर ने किया दरिमा गोठान का निरीक्षण

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। कमिश्नर डॉ संजय कुमार अलंग ने शनिवार को कलेक्टर कुन्दन कुमार के साथ दरिमा गोठन का निरीक्षण कर विभिन्न आजीविका मूलक गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने समूह की महिलाओं द्वारा गोठन में बखूबी की जा रही आजीविका कार्य की सराहना करते हुए पूछा कि आप लोग घर और बच्चों को संभालने के साथ ही गोठन के इतने गतिविधियों को आसानी से कर रही है इससे कोई दिक्कत तो नहीं हो रही है। महिलाओं ने जवाब देते हुए कहा कि घर परिवार से जुड़ा है और गोठन आजीविका से और दोनों ही जरूरी है। सामंजस्य बनाकर दोनों कार्य कर रहे है इसलिए दिक्कत नहीं हो रही है। कमिश्नर ने गोठन में कुकुट पालन, बटेर पालन, गोबर खरीदीए वर्मी खाद निर्माण की जानकारी समूह की महिलाओं तथा गोठन समिति के सदस्यों से ली। उन्होंने मुर्गी पालन व अंड उत्पादन की जानकारी लेते हुए अंडों को रखने के लिए स्टोरेज की व्यवस्था हेतु सेंट्रलाइज स्टोरेज सिस्टम विकसित करने कहा ताकि गोठनो में उत्पादित अंडों को सुरक्षित रखा जा सके। उन्होंने गोठन में बकरी पालन व मछली पालन के कार्य भी प्राथमिकता से करने के निर्देश दिये। दरिमा गोठन के एकता स्व सहायता समूह की सदस्य रमशीला सिंह व आशा दास ने बताया कि गोबर खरीदीए वर्मी निर्माण कुकुट पालन में लिए प्रशिक्षण मिला है। गोठन से जुड़कर महिला समूह का आत्मबल बढ़ा है। गोठन की गतिविधि के बारे में आसानी से बता सकती है और आय बढ़ाने के बारे में सोच सकती है। नरवा, गरवा, घुरवा और बाड़ी योजना से उन्हे पहचान मिली है। गोठन से जुड़कर खुश है।

पत्रकार के साथ पर्यावरण अधिकारी द्वारा की गई बदतमीजी निंदनीय : विकास

टु मीडियाकर्मीयों से बदतमीजी कर अपनी जवाबदेही से मुंह नहीं मोड़ सकते हैं अधिकारी

रायगढ़/नवप्रदेश। शहर के स्थानीय केबल न्यूज चैनल से जुड़े न्यूज रिपोर्टर और अंचल के युवा पत्रकार संतोष साव के साथ जिला पर्यावरण अधिकारी अंकुर साव द्वारा बदतमीजी से पेश आने के मामले में युवा भाजपा नेता और प्रदेश कार्य समिति सदस्य विकास केडिया ने घटना को निंदनीय बताते हुए कहा कि सत्ता और सूबे के मुखिया से मिल रहे बेजा संरक्षण की वजह से कुछ अफसरों का दिमाग खराब हो गया है। यही वजह है कि वे अब अपनी मर्यादा रेखा को भी पार करते से गुरेज नहीं कर रहे हैं। आगे युवा भाजपा नेता श्री केडिया ने कहा कि आज पूरा रायगढ़ जिला चहुओर विषाक फ्लाईऐश ,



धूल और धुएं के गुब्बारे के आगोश में है और जिसकी वजह से क्षेत्र के बड़ी जनबादी कई प्रकार की प्रदूषणजनित बीमारियों को भोगने को मजबूर हैं और ऐसे में पर्यावरण विभाग और क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी की प्रत्यक्ष जवाबदेही बनती है कि वे इसके लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार उद्योगों के खिलाफविधिसम्मत कड़ी कार्यवाही कर बढ़ते प्रदूषण पर लगाम लगाए, लेकिन किंकर्तव्यमूढ़ बने पर्यावरण अधिकारी अपनी जिम्मेदारी कुशलतापूर्वक निभाने की बजाय उनसे मर्यादित भाषा में सवाल पूछने

वाले स्थानीय पत्रकारों से ही अब बदतमीजी करने में उतर आए हैं जो कि बेहद निंदनीय बात है जिसे न रायगढ़ की मीडिया स्वीकार करेगी और न ही रायगढ़ की आम जनता। आगे श्री केडिया ने क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी के अशिष्ट व्यवहार पर तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि जिस लहजे में उन्होंने हमारे स्थानीय पत्रकार भाई से बदतमीजी की है उसे देखकर यह कहना गलत नहीं होगा कि उनके दिमाग के साथ साथ उनकी जुबान पे भी उद्योगों की प्रदूषित हवा और पानी की काली परत जम गई हैं, इसलिए रायगढ़ के बढ़ते प्रदूषण के साथ साथ उन्हें अपनी जुबां और दिमाग में जमी गंदगी भी हटाने की जरूरत है और साथ में उन्हें इस बात का भी भविष्य में ध्यान रखना चाहिए कि दोबारा ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो। क्योंकि देश की लोकतान्त्रिक

चुनावी हार से बचने आरक्षण बिल हुआ पास : बारसे



साफप्रतीत होता है कि कांग्रेस की सरकार आदिवासियों की कितनी बड़ी विरोधी है। अब सत्ता जाने के डर से एवं भाजपा और सर्व आदिवासी समाज के भारी विरोध के बाद आरक्षण पर विधेयक लाने मजबूर हुए है। स्वयं आग लगाते हैं और आग लगाके खुद ही बुझाने का ढोंग करने वाली स्थिति पर पहुंच चुकी है कांग्रेस की भूपेश सरकार। लेकिन

बर्दनयति से लगाई आग में खुद जलेगी कांग्रेस की सरकार। भानुप्रतापपुर में मंत्री कवासी लखमा को सर्व आदिवासि समाज के लोगों ने घेर लिया। तबसे कवासी लखमा और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को हार का डर सता रहा। इस कारण आनन-फनन में 32त आरक्षण विधेयक लाया गया। भारतीय जनता पार्टी हमेशा आदिवासी समाज के साथ खड़ी है। भारतीय जनता पार्टी की ही सरकार में आदिवासियों के हित में आदिवासी मंत्रालय का गठन किया गया। एवं देश में पहली बार सर्वोच्च पद में एक आदिवासी महिला को भारतीय जनता पार्टी ने ही बैठाया। कांग्रेस पार्टी आर आदिवासी हितेषी होती तो निर्विरोध आदिवासी राष्ट्रपति

द्रौपदी मुरमू जी का समर्थन करती। आदिवासियों के हित के बारे में सिर्फ भारतीय जनता पार्टी ही गंभीरता से सोचती है एवं उनके हित में योजनाएं बनाती है। भारतीय जनता पार्टी के ही द्वारा आदिवासियों को 32त आरक्षण दिया गया था जिसे कांग्रेस सरकार की बद नियति के कारण 20त आ गया। धनीराम बारसे ने कहा कि विधानसभा में 32त आरक्षण पहले ही पास हो चुका था लेकिन न्यायालय में बर्दनयति से सरकार अपना पक्ष नहीं रख पाई इसलिए 20त आरक्षण हो गया। और सरकार के द्वारा आदिवासी आरक्षण के विरोधियों को पुरस्कृत करना उनकी आदिवासी विरोधी नियत को साफ दर्शाता है।

कुटरू में खुलेगा नया महाविद्यालय

टु अनुपूरक बजट में बीजापुर को मिली अनेक बड़ी सीमांतें

बीजापुर /नवप्रदेश। बीजापुर के विधायक और बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विक्रम मंडावी के प्रयासों से छत्तीसगढ़ सरकार के वर्ष 2022-23 के अनुपूरक बजट में बीजापुर जिले को अनेक बड़ी सीमांतें मिली है। जिसमें प्रमुख रूप से नवीन शासकीय महाविद्यालय कुटरू, नवीन राजस्व अनुभाग आवापल्ली, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुटरू और आवापल्ली को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नयन, हाई स्कूल मुरकीनार का हायर सेकेंडरी में उन्नयन, माध्यमिक शाला तुमनार और मोदकपाल का हाई स्कूल में उन्नयन, हायर सेकेंडरी स्कूल कुटरू में नवीन स्कूल भवन,



पाटलीगुडा से पिनकोड तक 8 किलोमीटर सड़क व पुलिया और पूर्व माध्यमिक शाला मुरदंडा में नवीन शाला भवन शामिल है। कुटरू में नवीन महाविद्यालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और हायर सेकेंडरी स्कूल के लिए नवीन भवन की मांग क्षेत्र के ग्रामीण लम्बे समय से कर रहे थे जिसे बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी ने गम्भीरता से लिया

और कुटरू क्षेत्र के लोगों की बरसों पुरानी माँगों को पूरा कर कुटरू क्षेत्र को बड़ी सीमांत दिया है। ऐसे ही जिले के आवापल्ली को नवीन राजस्व अनुभाग और आवापल्ली में नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खुलेगा इनके खुलने से उसर इलाकें में एक और प्रशासन का विस्तार होगा वही स्वास्थ्य सुविधायें भी आम लोगों को आसानी से उपलब्ध होंगी। बीजापुर के तुमनार और मोदकपाल के माध्यमिक शालाओं को हाई स्कूल में उन्नयन किया जाएगा अब हाई स्कूल को पढ़ाई करने के लिए बच्चों को दूसरे जगह जा कर पढ़ाई करने से होने वाली समस्याओं से निजात मिलेगी।

